पर्याप्तता अथवा अन्य बातों का अनुमान केवल जनसंख्या के सिद्धांत के अनुसार ही नही लगाया जा सकता है । वातावरण तथा आधारभूत सुविधाओं में विद्यमान विविधताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रकार के मामलों में अन्तरराष्ट्रीय तुलना करना उपयुक्त नहीं होगा । इसके अलावा, आंकड़े केवल खातों की संख्या के बारे में उपलब्ध हैं, वित्तपोषित किसानों की संख्या के बारे में नहीं। फिर भी, दिसम्बर, 1979 के अन्त की स्थिति के अनुसार सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा राजस्थान में दिए गए कृषि अग्रिमों तथा उत्तरी क्षेत्र के अन्य राज्यों की तुलनात्मक स्थिति और अखिल भारतीय आंकड़े नीचे दिए जा रहे है :—

राज्य/क्षेत्र	खातों की संख्या (लाख में)	बकाया रकम (करोड़ रुपये)	रकम प्रति खाता (रुपये)
हरियाणा	1.73	120.84	6972
हिमाचल प्रदेश	0.71	10.30	1456
जम्मू और कश्मीर	0.52	7.55	1455
पंजाब	1.99	157.73	7924
राजस्थान	1.94	106.82	5504
उत्तरी क्षेत्र	9.04	445.61	6325
अखिल भारतीय	79.04	2585.95	3268

वाणिज्यिक बैंक राज्यवार कृषि वित्त प्रदान नहीं करते । किसी राज्य में दिए जाने वाले बैंक-अग्रिम कई बातों जैसे ऋण की आवश्यक मात्रा, ऋण उपयोग की क्षमता, संबंधित क्षेत्र में सहकारी समितियों जैसी ऋण प्रदान करने वाली संस्थाओं की सापेक्षिक सामर्थ्य अथवा कमजोरी, आधारभूत सुविधाओं की मौजूदगी, वसूलियों आदि पर आधारित होते हैं ।

Seizure of Sugar in Ghaziabad intended for being smuggled to Pakistan

714. SHRI SATISH AGARWAL:

SHRI N. K. SHEJWALKAR:

Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a racket was discovered with the seizure of 300 tonnes of sugar in Ghaziabad which were intended for being smuggled to Pakistan;

(b) if so, the names of the persons that were arrested in this connection;

(c) what is according to Government the quantum of sugar that finds its way to Pakistan every year and the precise steps taken to check it; and

(d) whether the high prices of sugar are partially responsible for such smuggling activities is creating scarcity in the country?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI SAWAI SINGH SISODIA): (a) to (d). The information is being collected and will be laid on the Table of the House.

Availability of Coking Coal to Burnpur Steel Plant from Chasnala Colliery

715. SHRI P. RAJAGOPAL NAIDU: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state

(a) whether the programme of availability of coking coal to Burnpur Steel Plant from the captive mine of the Chasnala Colliery was upset; and

(b) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b). During 1979-80, against the plan of producing 270,000 tonnes of coking coal, Chasnala colliery of the Indian Iron and Steel Company actually produced 473,000 tonnes. During April to September, 1980, however, there was some shortfall in production due to heavy rains in August and September, and fires in the coal seam. The actual production during this period was 124,000 tonnes against the plan to produce 170,000 tonnes, for reasons stated above.

यूरोपीय सांझा बाजार के साथ भारत का सहयोग

716. श्री विलास मुत्तेमवार : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यूरोपीय सांझा बाजार के साथ भारत के सहयोग के बारे में गत दिसम्बर मे बुसेल्स मे भारतीय राजदूत द्वारा की गई वार्ता के अब तक इस मामले में क्या प्रगति हुई है; और

(ख) यूरोपीय साझा बाजार के साथ ऐसे सहयोग के मुख्य उद्देश्य क्या है ?

वाणिज्य तथा इस्पात और खान मंत्री (श्री प्रणव मुखर्जी) :

(क) भारत तथा यूरोपीय आर्थिक समुदाय के बीच तथा वाणिज्यक और आर्थिक सहयोग करार सम्पन्न करने के लिए वार्तायें काफी अग्रवर्ती स्थिति में है और इन्हें इस वर्ष के समाप्त होने से पूर्व अंतिम रूप दे दिया जा सकता है ।

(ख) मुख्य उद्देश्य भारत यूरोपीय आर्थिक समुदाय के व्यापार तथा आर्थिक संबंधों को बढ़ावा और उसका विविधीकरण करना है जिसमें उद्योग, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, गवेषणा तथा विकास तथा तीसरे देश की परियोजनाओं में संयुक्त उद्यमों के क्षेत्रों में सहयोग देना भी शामिल है ।